

पानी; पानी उतरना- अंडवृद्धि, अंडकोष में पानी-सी पतली चीज का नसों द्वारा एकत्र होना, आँखों में प्रायः हर समय गरम पानी भर कर गिरना जिससे देखने की शक्ति कम होकर नजला हो जाता है; पानी करना- लोहा या किसी कड़े पदार्थ को गला कर तरल कर देना; पानी होना- किसी पदार्थ का गलकर पानी की तरह पतला होना, जैसे- नमक या बर्फ का गलकर पानी हो जाना, वह द्रव-पदार्थ जो किसी चीज के निचोड़ने से या उससे निथरकर निकला रस, अर्क, जूस जैसे- दाल का पानी, चमक, ओष कांति, छवि, द्युति जैसे- मोती का पानी; पानी चढ़ाना- पानी देना, चमकाना, तलवार आदि धारदार हथियारों को लोहे का हल्का स्याह-रंग जो उसकी उत्तमता की पहचान होती है, मान, प्रतिष्ठा, इज्जत, आब, साख; पानी उतरना/पानी जाना- साख चली जाना, इज्जत उतरना, मान न रहना, उग्रता या तेजी से रह जाना, पानी उतारना- अपमानित करना, बेइज्जत करना; पानी रखना/पानी बचाना- इज्जत-आबरु की रक्षा करना, वर्ष/साल जैसे पाँच पानी का बकरा-पाँच वर्ष का बकरा जो पाँच वर्ष पूरे कर चुका हो), कड़ा पानी, जलवायु; आबहवा- कड़ा पानी- ऐसी जलवायु जिसमें पले प्राणी या पशु शूर, फुर्तीले, जीवट वाले, सहिष्णु और कट्टर स्वभाव के हों; नरम पानी- वह जलवायु जिसमें पले जीव और पशु-आदि ढीले बदन के जीवटहीन और असहिष्णु हों; पानी लगना- स्थान विशेष की जलवायु के कारण स्वास्थ्य बिगड़ना या रोग लगना।

पानीअमृत पुं. (तद्.) त्रिदोष नाशक, एक कंद- 'पानीयालु'।

पानीदार वि. (देश.+फा.) 1. चमकदार, आबदार 2. इज्जतदार, माननीय 3. जीवटवाला, आन और मर्यादा वाला 4. आत्माभिमानि।

पानीदेवा वि. (देश.) 1. तर्पण या पिंडदान करने वाला 2. पुत्र, तनय, तनुज, बेटा 3. स्ववंशीय, अपने कुल का मुहा. पानीदेवा न रह जाना- वंश उच्छेद हो जाना। समूह नाश हो जाना।

पानीपत पुं. (देश.) दिल्ली तथा अंबाला के मध्य का प्रसिद्ध स्थान जो पुराने समय में युद्ध क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध है।

पानीफल पुं. (देश.) सिंघाड़ा।

पानीबेल स्त्री. (देश.) मूसल नामक एक प्रकार की लंबी लता जिसकी पत्तियाँ प्रायः सात से पंद्रह तक होती हैं। गरमी में लालिमा लिए भूरे रंग के फूल लगते हैं वर्षा ऋतु में फल लगते हैं जो खाने और दवा, दोनों के काम में आते हैं।

पानीय पुं. (तत्.) 1. जल 2. मद्य, शराब।

पानीयफल पुं. (तत्.) मखाना।

पानीयशाला स्त्री. (तत्.) वह स्थान जहाँ प्यासे लोगोंको पानी पिलाया जाता है, 'पौसरा', 'प्याऊ'।

पानीयामलक पुं. (तत्.) पानी आँवला।

पानीयालु पुं. (तत्.) एक प्रकार का दोषनाशक और तृप्तिकारक कंद।

पाप पुं. (तत्.) वह कर्म जिसका फल इस लोक और परलोक में अशुभ हो, कर्ता के लिए दुखद परिणाम वाला कर्म, समाज के लिए अहितकर आचरण, अनाचरण, गुनाह मुहा. पाप उदय होना- संचित पाप का फल मिलना, पिछले जन्म के बुरे कर्म के बुरे परिणाम के रूप में हुआ अनिष्ट; पाप काटना- पाप का नाश होना, प्रायश्चित्त से पाप का क्षय; पाप काटना- पाप से मुक्त करना या होना निष्पाप करना; पाप कमाना/पाप बटोरना- पाप कर्म करना, लगातार बुरे कर्म करना; पाप की गठरी/मोट- पाप का समूह, संपूर्ण पाप, जन्म-जन्मांतर के पाप (जन्मभर के पाप); पाप लगना- पाप पड़ना या पाप का दोषी होना, अपराध, कसूर, जुर्म, वध, हत्या, पापबुद्धि, बुरी नियत, बदतमीजी, खोट, खुटाई, अनिष्ट, अहित, बुराई, खराबी, हानि, नुकसान, क्लेशदायक कार्य या विषय, परेशान करने वाला काम या बात, बखेड़े वाला काम, झंझट, जंजाल; पाप काटना- बाधा हटाना, झगड़ा दूर होना, जंजाल छूटना; पाप काटना- झगड़ा मिटाना या निपटाना, जंजाल छुड़ाना, बाधा दूर